केंद्रीय कारागार में कैदी की मौत, धरने पर बैठे परिजन

घटना को लेकर मृतक के परिजन ने जांच की मांग की

- परिजनों का आरोप है कि पुलिस का कहना है कि उनकी मौत अस्पताल में आने के बाद हुई
- जब डॉक्टर से पूछा तो बताया कि अस्पताल आने से पहले ही उसकी मौत हो चुकी थी

जोधपुर, (कासं)। केंद्रीय कारागार में एक कैदी की संदिग्ध हालात में मौत हो गई। घटना को लेकर मृतक के परिजन ने जांच की मांग की और महात्मा गांधी अस्पताल की मोर्चरी पर धरना दिये हुए हैं।

जानकारी के अनुसार एक महीने से जोधपुर सेंट्रल जेल में बंद आरोपी की मौत के बाद परिजन ने निष्पक्ष जांच को लेकर धरने पर बैठ गए। परिजनों की कहना है कि उनके साथ कोई अनहोनी हुई है, जब उन्हे यहां लाया गया था तब तक वे स्वस्थ थे। परिजनों ने आरोप लगाते हुए कहा है कि पुलिस का कहना है कि उनकी मौत अस्पताल में आने के बाद हुई, जब डॉक्टर से पूछा तो उन्होंने बताया कि अस्पताल आने से पहले ही उनकी मौत हो चुकी थी। सूचना पर पुलिस और जिला प्रशासन के लोग मौके पर पहुंचे।

मृतक के भांजे बलवीर सिंह ने बताया कि पाली मारवाड़ जंक्शन कराड़ी गांव निवासी 40 वर्षीय आजाद सिंह को दो महीने पहले किसी विवाद में गिरफ्तार कर पाली जेल में भेजा था। एक महीने पहले उन्हें जोधपुर जेल भेज दिया। दोपहर करीब 12 बजे उनकी मौत हो गई। सूचना मिलते ही मौके पर पहुंचे तो जेल प्रबंधन का कहना है कि उनकी मौत हार्टअटैक से हुई है। भांजे ने मौत पर संदेह जताया है। डॉक्टर का कहना है कि जेल में ही मौत हो गई थी। बहरहाल पोस्टमार्टम कराने से रोक दिया है।

मिलीभगत की आशंका जताई : मृतक के भांजे का कहना है कि उसके मामा महिला की हत्या के मामले में 12 साल जोधपुर जेल में बंद रह चुके हैं। इसलिए हो सकता है कि उनकी किसी से दुश्मनी हो। इस मामले में मिलीभगत की आशंका है, जब तक प्रशासन स्पष्ट व निष्पक्ष जांच का आदेश नहीं देंगे तब तक वे धरने पर बैठे रहेंगे।

हादसे में चाचा-भतीजे की मौत

करौली, (निसं)। करौली-सरमथुरा सड़क मार्ग पर रतियापुरा गांव के पास मोटरसाइकिल और ट्रैक्टर ट्रॉली की भिड़ंत में मोटरसाइकिल सवार चाचा-भतीजे की मौत हो गई।

जानकारी के अनुसर एक मोटरसाइकिल से खरैटपुरा गांव निवासी जितेंद्र सिंह पुत्र देवीराम गुर्जर और हरकेश पुत्र हरफूल गुर्जर अपने गांव जा रहे थे जिनकी मोटरसाइकिल और एक ट्रैक्टर ट्रॉली में रतियापुरा गांव के पास जबरदस्त टक्कर हो गई जिसमें दोनों गंभीर रूप से घायल हो गए जिनको हाईवे एंबुलेंस से करौली सामान्य चिकित्सालय लाया गया, जहां चिकित्सक ने दोनों को मृत घोषित कर पोस्टमार्टम के लिए मुर्दाघर में रखा। जानकारी के अनुसार जितेंद्र सिंह वर्तमान में पंचायत समिति मासलपुर में पंचायत समिति सदस्य है। दोनों रिश्ते में चाचा भतीजे बताए गए हैं। उधर मृतकों के परिजनों को पुलिस द्वारा दुर्घटना की सूचना दी गई।

हाइवे किनारे झाड़ियों में बमनुमा वस्तु मिली

पुलिस ने मिट्टी के कट्टे लगाकर किया सुरक्षित, सेना के अधिकारियों को सूचित किया

- पुलिस ने बताया कि संदिग्ध वस्तु की जांच सेना का बम निरोधक दस्ता करेगा
- 5 जनवरी को भी सिटी थाना क्षेत्र के ही राजपुरा पीपेरन इलाके में भी बम नुमा वस्तु मिली थी

सूरतगढ़, (निसं)। क्षेत्र में एक बार फिर बमनुमा वस्तु मिलने से सनसनी फैल गई। सूचना पर पहुंची सिटी थाना पुलिस ने मौका मुआयना कर बम को निगरानी में लेते हुए उसके चारों और मिट्टी के कट्टे रखवाए।

सिटी थाना के सहायक उपनिरीक्षक सुरेश कुमार ने बताया कि मानकसर क्षेत्र में नेशनल हाईवे संख्या 62 पर फ्लाई ओवर के पास झाडियों में बमनुमा वस्तु मिली है। जिसके बाद ग्रामीणों की सूचना पर मौके पर पहुंची पुलिस ने मौका मुआयना किया गया। बमनुमा वस्तु के चारों तरफ मिट्टी के कट्टे रखवाकर इसे सुरक्षित करते हुए पुलिस ने अपनी निगरानी में लिया। वहीं मामले की आला अधिकारियों और सेना के उच्चाधिकारियों को सूचना दी गई है।

पुलिस ने बताया कि संदिग्ध वस्तु की जांच सेना का बम निरोधक दस्ता करेगा। जिसके बाद इसके निस्तारण की कार्रवाई की जाएगी। गौरतलब है कि हाल ही में 5 जनवरी को भी सिटी थाना क्षेत्र के ही राजपुरा पीपेरन इलाके में भी बम नुमा वस्तु मिली थी। उसे भी पुलिस ने अपनी निगरानी में लेते हुए चारों और मिट्टी के कट्टे लगवाकर सुरक्षित करवाया था। जिसका अभी तक निस्तारण नहीं किया गया है।

लेकसिटी में 2 डिग्री पर पहुंचा तापमान

उदयपुर में तेज सर्दी पड़ने से गाड़ियों की छतों पर बर्फ जम गई।

- रविवार की रात का तापमान और गिरकर इस सीजन की सबसे सर्द रात के साथ 2 डिग्री रिकॉर्ड किया गया

उदयपुर, (कासं)। लेकसिटी में ठंडी हवाओं के साथ ठंड भी अब बर्फीली हो गई है। उत्तरायण की इस ठंड से धूजणी छूटा दी है वहीं रविवार की रात का तापमान और गिरकर इस सीजन की सबसे सर्द रात के साथ 2 डिग्री रिकॉर्ड किया गया है। वहीं उदयपुर शहर के मैदानी इलाको के लिए सीटीएई परिसर में तापमान - 4.6 डिग्री दर्ज किया गया।

शीत लहर लेकसिटी में कड़ाके की सर्दी फिर से ले आई है। दिन के तापमान में सोमवार को बढोतरी तो हुई लेकिन बर्फीली हवाएं दिनभर ऊनी वस्त्रों को पहनने को मजबूर कर रही है। वहीं अलसुबह शहर के मैदानी इलाके गुलाबबाग, सीटीएई परिसर व शहरी क्षेत्र के आसपास के क्षेत्रों के खेतों में चने की फसलों पर बर्फ की परत जम गई है। रविवार की रात का तापमान शनिवार की तुलना में और गिर गया।

शनिवार को न्यूनतम तापमान 2.7 डिग्री था जो 0.7 डिग्री और गिरकर 2 डिग्री पर पहुंच गया। रविवार की रात सीजन की सबसे ठंडी रात रही। मौसम विभाग डबोक से मिली जानकारी के अनुसार सोमवार को अधिकतम तापमान 20.4 डिग्री व न्यूनतम तापमान 2 डिग्री रिकॉर्ड किया गया जो रविवार को क्रमशः 19.2 व 2.7 था। मौसम विज्ञानियों के अनुसार कड़ाके की ठंड 20 जनवरी तक बनी रहेगी। हवाओं के थमने के बाद ही सर्दी का अहसास कम होगा।

हनुमानगढ़ में 0 डिग्री तक पहुंचा न्यूनतम तापमान

- खेतों में पाइपों और फसलों पर जमी बर्फ, 21 जनवरी को बरसात के आसार

हनुमानगढ़, (निसं)। कड़ाके की ठंड से कुछ दिनों तक राहत के बाद एक बार फिर तेज सर्दी ने अपना असर दिखाना शुरू कर दिया है। जिले का न्यूनतम तापमान 0.2 डिग्री पहुंचने से सोमवार सुबह खेतों में बर्फ जमी नजर आई। शीतलहर चलने से ठिठुरन और गलन बढ़ गई, जिससे हाथ-पांव सुन्न पड़ गए। कारों और फसलों पर ओस की बूंदें बर्फ में बदल गई। खेतों में सिंचाई के लिए लगे पाइपों और खेतों की तारबंदी पर भी बर्फ जम गई।

कृषि विज्ञान केंद्र संगरिया के मौसम वैज्ञानिक ने बताया कि 19 जनवरी तक कड़ाके की सर्दी पड़ेगी। संगरिया स्थित कृषि विज्ञान केन्द्र की मौसम इकाई के पूर्वानुमान के अनुसार शुक्रवार से पश्चिमी विक्षोभ का प्रभाव कम होने से जिले में उत्तरी-पश्चिमी बर्फीली हवाओं का दौर शुरू हो गया है। इससे क्षेत्र में आगामी 4-5 दिन घना कोहरा और शीतलहर चलने के साथ ही पाला पड़ने की आशंका है, जिससे फसलों को भारी नुकसान की आशंका जताई जा रही है। कृषि विशेषज्ञों ने अगले 4-5 दिन खेतों में थोड़ी-थोड़ी सिंचाई करते रहने का सुझाव दिया है, ताकि रबी की फसलों को पाला पड़ने से कोई नुकसान नहीं हो। पाला पड़ने के कारण खेतों में रबी की फसलों को बड़ा नुकसान पहुंचा है। कृषि विशेषज्ञों ने अगले 4-5 दिन खेतों में थोड़ी-थोड़ी सिंचाई करते रहने का सुझाव दिया है।

मौसम केंद्र जयपुर के निदेशक राधेश्याम शर्मा ने बताया कि अगले कुछ दिनों तक राजस्थान में सर्दी का असर तेज रहेगा। अधिकांश जिलों में उत्तर से आने वाली बर्फीली हवाएं चलने से रात के साथ-साथ दिन में भी तेज सर्दी पड़ेगी। 19 जनवरी के बाद तापमान में बढ़ोतरी होगी और कड़ाके की सर्दी से राहत मिलेगी। पश्चिमी विक्षोभ के सक्रिय होने से 21 जनवरी को बारिश के आसार हैं। किसान ओम जांगू ने बताया कि जिस तरह से सर्दी का प्रकोप चल रहा है और फल सब्जियों पर बर्फ जम रही है, उससे सरसों की फसल में 50 प्रतिशत तक खराबा होने की आशंका है। फसलों पर बर्फ की परत जमने से पत्तियों और फाल में बहुत नुकसान हुआ है।

बीकानेर में रात में बर्फ जमी

बीकानेर, (कासं)। दिन में तापमान बढ़ रहा है जबकि रात में तापमान इतना कम हो रहा है कि बर्फ जम रही है। रविवार की रात भी बीकानेर के ग्रामीण क्षेत्रों में बर्फ जमी है, जबकि सोमवार सुबह ग्यारह बजे तक ही धूप इतनी तेज रही कि गर्मी का अहसास हुआ। उधर, रात में शीतलहर अभी दो दिन और बीकानेर में जनजीवन प्रभावित कर सकती है।

बीकानेर जिले में न्यूनतम तापमान जहां 2.5 डिग्री सेल्सियस तक पहुंचा, वहीं चूरू में माइनस 2.5 डिग्री सेल्सियस रहा। सोमवार की रात पारा थोड़ा बढ़ा लेकिन सर्दी से कोई ज्यादा राहत नहीं मिल सकी। संभाग के श्रीगंगानगर में 2.6 डिग्री सेल्सियस और हनुमानगढ़ के संगरिया में महज 0.2 डिग्री सेल्सियस तापमान रहा। ऐसे में हनुमानगढ़ और चूरू दोनों ठंडे रहे। मौसम विभाग की मानें तो अगले दो दिन तक बीकानेर संभाग में पारा पांच डिग्री सेल्सियस तक नहीं पहुंच सकेगा। शीतलहर का दौर संभाग के चारों जिलों में जारी रह सकता है।

पुष्कर संवाददाता के अनुसार : लगातार चार से दिनों सर्दी पड़ने के कारण जन जीवन अस्तव्यस्त हो गया है। सर्दी के कारण 15 जनवरी की सुबह पुष्कर में पुष्कर के आसपास इलाकों में बर्फ की चादर बिछ गई । वही16 जनवरी को भी चादर बिछी नजर आयी फूलों की फसल सर्दी की वजह से जल गयी। घरों के बाहर पड़ा पानी बर्फ में तब्दील हो गया खेतों में चारों ओर बर्फ ही बर्फ दिखाई देने लगी । इस सर्दी की यह पहली बर्फबारी है इस बर्फबारी से फूलों को तो नुकसान हुआ है लेकिन अन्य फसलों में फायदा भी है।

उत्कर्ष में उपनिरीक्षकों के लिए मॉक इंटरव्यू

जोधपुर, (कासं)। उत्कर्ष क्लासेस द्वारा 15 से 22 जनवरी तक आयोजित राजस्थान एसआई मॉक इंटरव्यू की विशेष कार्यशाला में अभ्यर्थियों ने बढ़-चढ़ कर हिस्सा लिया। इस विशेष कार्यशाला में राजस्थान पुलिस उपनिरीक्षक की लिखित परीक्षा एवं शारीरिक दक्षता का पडाव पार कर चुके अभ्यर्थियों का साक्षात्कार से संबंधित विभिन्न पहलुओं तथा विषयों पर आरपीएससी के पूर्व अध्यक्षों, अधिकारियों, अनुभवी प्रेरक वक्ताओं तथा विषय विशेषज्ञों के नेतृत्व में पथ प्रदर्शन किया जा रहा है। कार्यशाला में साक्षात्कार के गहन प्रशिक्षण चरण के तहत सोमवार को गोपालपुरा बाइपास स्थित उत्कर्ष के ऑफलाइन सेंटर पर प्रातः 8 बजे से विभिन्न सत्रों में अभ्यर्थियों को महत्वपूर्ण टिप्स दिए गए।

सोमवार को प्रातः सत्र में आरपीएससी के पूर्व अध्यक्ष डॉ. ललित के. पंवार ने साक्षात्कार संबंधी तैयारी पर अभ्यर्थियों के साथ अपने अनुभव साझा किए। इस दौरान उन्होंने थ्योरी नॉलेज के अतिरिक्त व्यावहारिक ज्ञान पर भी पकड रखने की सलाह दी। डॉ. पंवार ने इंटरव्यू पैनल में शामिल विशेषज्ञों से घबराने की बजाय स्वयं के ज्ञान एवं व्यक्तित्व पर आत्मविश्वास रख कर सवालों के जवाब देने या कोई प्रतिक्रिया करने पर जोर दिया। सेशन को आगे बढाते हुए अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक आसूचना ब्यूरो हनुमान प्रसाद यादव ने भावी उप निरीक्षकों के सामने पुलिस व्यवस्था एवं पुलिस सुधार के अंतर्गत महत्त्वपूर्ण बिंदुओं पर चर्चा की। इसी कडी में जेएनवीयू, जोधपुर में मनोविज्ञान विभाग के पूर्व विभागाध्यक्ष प्रोफेसर ए. के. मलिक ने साक्षात्कार में अक्सर अभ्यर्थियों द्वारा सामना किए जाने वाले मनोवैज्ञानिक दबावों से उबरने या स्वयं को संयमित रखने के तरीके बताए। इसके अतिरिक्त सायंकालीन सामूहिक सत्र के दौरान जिज्ञासा समाधान व परिचर्चा के पहले भाग के अंतर्गत लोक सेवा आयोग के पूर्व अध्यक्ष डॉ. ललित कुमार पँवार एवं प्रो. ए के मलिक तथा जयपुर एकेडमिक हेड कुलदीप सिंह शेखावत द्वारा अभ्यर्थियों की साक्षात्कार संबंधी विभिन्न जिज्ञासाओं के समाधान किया।

अंडरब्रिज बनाने की मांग पर धरना शुरू किया

पिंडवाड़ा, (निसं)। सिरोही जिले में पिंडवाडा-सिरोही राष्ट्रीय फोरलेन हाईवे जनापुर चौराहे पर दुर्घटनाओं की रोकथाम को लेकर चार रास्ते पर अंडरब्रिज निर्माण मांग को लेकर जनापुर गांव के लोगों ने बाजार बंद कर अनिश्चितकालीन धरना शुरू किया।

प्राप्त जानकारी के अनुसार पिंडवाड़ा फोरलेन हाईवे जनापुर चार रास्ते पर आए दिन हादसे होते रहते हैं। इनमें वे गंभीर हादसे भी शामिल हैं जिनमें लोगों की जाने जा चुकी हैं। इन हादसों में प्रशासन व पुलिस की लापरवाही भी शामिल है। इसमें नगर के पास के चौराहों पर सबसे अधिक दुर्घटनाएं होती हैं। इसकी अहम वजह सड़क निर्माण की गलत डिजाइनिंग के कारण हाईवे के चार रास्ते पार करते समय हाइवे पर चलने वाले ट्रक, बस व अन्य यात्री वाहन रोड पर ही खड़े कर दिए जाते हैं। छोटे-मोटे वाहन गलत दिशा से लोग भ्रमित हो जाते हैं आने वाले वाहन दिखाई नहीं पड़ते हैं। इससे कई बार चौराहों पर गंभीर सड़क हादसे हो चुके हैं।

आखिरकार ग्रामीण गांव बंद का आव्हान कर अनिश्चितकालीन धरना प्रदर्शन करने के लिए को मजबूर हुए। धरना प्रदर्शन की जानकारी तहसीलदार मादाराम मीणा ने मिलते ही जनापुर गांव पहुंचकर गांव के लोगों को समझाइश की, पर ग्रामीण अड़े रहे।

अनशन की जानकारी पिंडवाड़ा उपखंड अधिकारी हंसमुख कुमार को मिलते ही हाईवे निर्माण के जिम्मेदार अधिकारी को बुलाया गया और गांव के लोगों की समस्या का समाधान की बात कही। तब नपेंद्र दुबे ने 3 दिन में हाईवे चौराहे पर डिवाइडर और मुख्य फोरलेन हाईवे पर बैरिकेडिंग लगवाने की बात कही।

28 मार्च से हो सकती है नहरबंदी!

बीकानेर, (कासं)। ठिठुराती ठंड के बीच पीएचईडी के अधिकारियों को गर्मी में पेयजल की चिंता सताने लगी है। वजह, मई के महीने में जब पानी की सर्वाधिक जरूरत होगी उस वक्त नहर से पानी आना बिलकुल बंद रहेगा। शहर में 15 दिन पेयजल क्षमता का स्टोरेज होगा। इसके लिए पानी जुटाने से लेकर घरों तक पहुंचाने के लिए समर कंटीजेंसी प्लान बनाकर सरकार को भेजा है। इसकी लागत लगभग सात करोड़ रुपए हैं। सात करोड़ में से लगभग पांच करोड़ रुपए सिंगल फेज बोरवैल, मोटर, केबल, बरमा आदि संसाधनों पर खर्च होंगे। लगभग दो करोड़ रुपए उन इलाकों में पानी पहुंचाने के लिए ट्रांसपोर्टेशन पर खर्च होंगे जहां जल संकट की स्थिति होगी। सभी व्यवस्थाएं दो महीने पहले करने होगी इसलिए तैयारी शुरू हो गई।

कुछ कामों की स्वीकृति मिल गई है। टैंडर प्रक्रिया शुरू हो गई। कई कामों की मंजूरी का इंतजार हो रहा है। फरवरी के महीने में काम शुरू होकर मार्च तक पूरे होंगे तभी इन इंतजामों का पूरा लाभ मिल पाएगा। नहरबंदी की संभावित तिथि 28 मार्च है। यह 60 दिन की होती है तो पहले 30 दिन आंशिक पूर्ति होगी। मतलब यह कि अप्रैल में आंशिक पेयजल आपूर्ति होगी। अगले 30 दिन पूरी तरह आपूर्ति बंद रहेगी। ऐसे में मई के महीने में पानी बिल्कुल नहीं मिलेगा। इस दौरान शहर में 15 दिन की आपूर्ति लायक स्टोरेज होगा। ऐसे में एकांतरा आपूर्ति होगी। 115 एमएलडी पानी हर दिन सर्दी में जरूरत है। इतना ही आपूर्ति किया जा रहा है। गर्मी में यह जरूरत 150 एमएलडी तक पहुंच जाती है। पूरी क्षमता के साथ ही दोनों संयंत्र 135 से 140 एमएलडी तक उत्पादन कर सकते हैं। समर कंटीजेंस प्लान तैयार है। केबल, सिगल फेज बोरवेल आदि के काम जल्द शुरू कर देंगे।

राजेश पुरोहित, एसई पीएचईडी ने कहा कि इन्फ्रास्ट्रक्चर में पहले से इतना सुधार कर रहे हैं कि छीजत कम हो और अंतिम छोर तक पूरा पानी पहुंचे। प्लान सरकार को भेजा है। जल्द मंजूरी मिलते ही काम शुरू हो जाएगा।

दरगाह शरीफ विश्राम स्थली का जायजा लिया

- 18 जनवरी से प्रारंभ होने वाले उर्स की तैयारियों को अंतिम रूप दिया जा रहा है

अजमेर, (कासं)। ख्वाजा गरीब नवाज़ के 811वें उर्स की तैयारीयों को लेकर दरगाह कमेटी सदस्य सपात खान और नाज़िम समी अहमद खान ने दरगाह शरीफ और विश्रामस्थली कायड़ का जाएज़ा लिया। समी अहमद खान ने बताया कि 18 जनवरी से प्रारंभ होने वाले उर्स की तैयारीयों को अंतिम रूप दिया जा रहा है। दरगाह कमेटी द्वारा विभागीय स्तर कि जाने वाली सम्पूर्ण तैयारीयों को पूर्ण किया जा चुका है। शेष कार्यो को अगले दो से तीन दिवसों में पूर्ण किया जाएगा। साथ ही जारी विभागीय कार्यो पर संतोष व्यक्त किया।

सदस्य सपात खान एवं नाज़िम समी अहमद खान दोपहर को विश्रामस्थली पहुंचे। विश्रामस्थली पर कार्यो का निरिक्षण किया। सपात खान ने कहा कि इस वर्ष जायरीन की सुविधा के लिए सर्दी से बचाव एक प्रमुख चुनौति रहेगी, जिसके के लिए दरगाह कमेटी एवं प्रशासन के सहयोग से बेहतर व्यवस्था का प्रयास किया जा रहा है। इसके साथ ही जलदाय विभाग द्वारा जारी पाईप लाईन की प्रगति देख बताया कि अंदरूनी हिस्से पर पाईप लाईन डालने से उपयोग एवं पीने के पानी को सीधे नलों तक पहुंचाया जा सकेगा।

जेल प्रहरियों की तबीयत खराब हुई तो अजमेर जेएलएन अस्पताल के हालात भी बिगड़ने लगे

- अजमेर, भीलवाड़ा, गंगानगर, नोखा, बांसवाड़ा और हनुमानगढ़ में जेलकर्मी अस्पताल में भर्ती

अजमेर के जेएलएन अस्पताल में एक पलंग पर दो-दो जेल प्रहरियों को उपचार दिया जा रहा है।

अजमेर, (कासं)। राजस्थान पुलिस और आरएसी के बराबर वेतनमान की मांग को लेकर अजमेर के जेल प्रहरी पिछले करीब 96 घंटों से भूख हड़ताल पर हैं, जिनकी अब तबीयत बिगड़ना शुरू हो गई है। एक और जहां जेल प्रहरीयों की तबीयत बिगड़ रही है तो वहीं अजमेर के अस्पताल जवाहर लाल नेहरू अस्पताल के हालात भी बिगड़ते हुए दिख रहे हैं।

पिछले 24 घंटों में 30 जेल प्रहरीयों की तबीयत बिगड़ने के बाद उन्हें अस्पताल में भर्ती करवाया गया है लेकिन यहां भी उन्हें बेहतर इलाज उपलब्ध नहीं हो पा रहा है, एक ही बेड पर दो-दो जेल प्रहरीयों को लेटाया गया है जिसके बाद हाई सिक्योरिटी जेल के जेल अधीक्षक पारस जांगिड़ और सेंट्रल जेल के अधीक्षक सुमन ने अस्पताल पहुंचकर जेल प्रहरीयों की खैर खबर ली।

हाई सिक्योरिटी जेल के अधीक्षक पारस जांगिड़ ने बताया कि जेल पहरी पिछले 96 घंटों से अपनी मांगों को लेकर भूख हड़ताल पर है जिसके बाद उनकी तबीयत लगातार बिगड़ रही है। पारस जांगिड़ ने बताया कि अजमेर जेल की शाखाओं के करीब 300 जेल पहरी भूख हड़ताल पर हैं। इस दौरान उनकी तबीयत खराब होने के चलते उन्हें अस्पताल में भर्ती करवाया जा रहा है। अब अस्पताल में जगह कम पड़ती हुई दिख रही है। पारस जांगिड़ ने अंदेशा जताया है कि आज शाम तक अस्पताल बड़ी संख्या में जेल पहरी पहुंच सकते हैं। हाई सिक्योरिटी जेल के अधीक्षक पारस जांगिड़ ने माना कि जेल प्रहरीयों के हड़ताल पर जाने से उनका सिक्योरिटी सिस्टम भी प्रभावित हो रहा है। जेल प्रहरी इस हालत में अपनी ड्यूटी निभाने में समर्थ नहीं होंगे। पारस जांगिड़ ने बताया हेड क्वार्टर के निर्देश के बाद 2-2 प्रतिनिधि वार्ता के लिए जयपुर भेजे हुए हैं वहां डी जी के नेतृत्व में एक डेलिगेशन वार्ता कर रहा है। पिछले 2 दिनों में करीब 70 लोगों को अस्पताल में भर्ती करवाया गया है।

अस्पताल में भर्ती जेल पहरी विमला ने बताया कि वह अपनी मांगों को लेकर पिछले 4 दिनों से भूख हड़ताल पर हैं लेकिन उनकी मांगों पर कोई कार्यवाही नहीं हो रही है। तबीयत बिगड़ने पर उन्हें अस्पताल में भर्ती करवाया गया है लेकिन अस्पताल के हालात भी सामान्य नहीं है। जेल प्रहरी ने बताया कि अभी तक वह अपनी ड्यूटी निभा रहे हैं, लेकिन जब तक उनकी मांगे पूरी नहीं होगी जब तक यह भूख हड़ताल जारी रहेगी।

नोखा में जेल प्रहरियों का मैस बहिष्कार जारी

नोखा, (निसं)। वेतन विसंगति को दूर करने की मांग को लेकर नोखा उप कारागृह में मैस का बहिष्कार कर अनशन पर बैठे तीन जेल कार्मिकों की रात तबीयत बिगड़ गई। इस पर उनको नोखा जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया। अनशन पर बैठे भगवती देवी, हनुमान सिंह और लक्ष्मणदान की तबीयत खराब हो गई थी।

अनशनकारियों ने कहा कि वेतन विसंगति के संबंध में 2017 में हुए समझौते की पालना नहीं होने पर अखिल राजस्थान राज्य कर्मचारी संयुक्त महासंघ एकीकृत के बैनर तले तीन दिन से अनशन पर बैठे हैं। लेकिन सरकार ने सकारात्मक निर्णय नहीं लिया है। उप कारापाल दलीप कुमार, मुख्य प्रहरी श्रीचंद गीला, पवन कुमार, जेल प्रहरी राजाराम, हेतराम, सुमित्रा, संगीता, बगताराम अनशन पर रहे।

हनुमानगढ़ संवदाता के अनुसार :- कड़ाके की ठंड के बीच जिला जेल में तैनात जेल प्रहरियों की भूख हड़ताल सोमवार को चौथे दिन भी जारी रही। अनशन के कारण 2 दिन में 9 जेल प्रहरियों को तबीयत बिगड़ने पर जिला अस्पताल में भर्ती करवाया जा चुका है। अन्य जेल प्रहरियों की हालत भी भूखे रहने के कारण धीरे-धीरे खराब होती जा रही है। रविवार को 7 और सोमवार को 2 जेल प्रहरियों को अस्पताल में भर्ती करवाया गया है। प्रशासन की ओर से सोमवार सुबह भेजे गए सरकारी डॉक्टर ने जेल प्रहरियों के स्वास्थ्य की जांच की। इस दौरान सभी जेल प्रहरियों का ग्लूकोज लेवल काफी नीचे मिला।

भीलवाड़ा में 4 जेल कर्मियों की हालत बिगड़ी

भीलवाड़ा, (निसं)। चार दिन से जारी जेल कर्मियों के आंदोलन के बीच अब तक चार जेल कर्मियों की हालत बिगड़ने के बाद महात्मा गांधी अस्पताल में भर्ती कराया गया है। जबकि गंगापुर, गुलाबपुरा, शाहपुरा, जहाजपुर और मांडलगढ़ में भी कर्मचारियों की हालत बिगड़ने के बाद उन्हें अस्पताल में भर्ती कराया है।

जिला कारागृह भीलवाड़ा के साथ ही प्रदेश भर के जेलकर्मी अपनी मांगों को लेकर चार दिन से भूख हड़ताल पर चल रहे हैं। इस दौरान रविवार को डिप्टी जेलर स्वीटी स्टेला की हालत बिगड़ गई। जबकि सोमवार को महिला प्रहरी सीमा देवी के साथ सिमरन सिंह व खेमचंद सैनी की तबियत खराब होने पर महात्मा गांधी अस्पताल में भर्ती कराया गया। जिला कारागृह के कारापाल मुकेश ने बताया कि जब तक हमें पुलिस या आरएसी के समान वेतन लाभ नहीं दिया जाता तब तक हमारा आन्दोलन जारी रहेगा। इसी तरह डिप्टी स्वीटी ने महात्मा गांधी अस्पताल में बताया कि हम पुलिस और आरएसी से ज्यादा काम करते है लेकिन वेतन उनसे कम है। स्वीटी को कल बीपी बढने के बाद अस्पताल में भर्ती कराया गया। उधर मांडलगढ़ उप कारागृह के दुपहरी प्रवीण कुमार व महेंद्र चौधरी की भी हालत बिगड़ गई, इसी तरह गुलाबपुरा में दारा सिंह महिपाल के साथ ही गंगापुर सब जेल के गजानंद परी की भी हालत बिगड़ने की खबर सामने आई है। सभी को अस्पताल में भर्ती कराया गया है। जहाजपुर जेल के प्रहरी, सुमन गफार व नारायण को अस्पताल में भर्ती कराया जबकि विश्राम मीणा को उपचार के बाद छुट्टी दे दी गई, वे फिर आंदोलन में शामिल हो गए हैं। शाहपुरा में महिला सिपाही पूजा व सिपाही बजरंग लाल का स्वास्थ्य बिगड गया। इस पर दोनों को सैटेलाइट चिकित्सालय शाहपुरा भर्ती करवाया गया जहां से उन्हें महात्मा गांधी चिकित्सालय भीलवाडा रेफर कर दिया गया।

बांसवाड़ा संवाददाता के अनुसार :- वेतन विसंगति को लेकर जेल कार्मिकों द्वारा किये जा रहे मेस बहिष्कार एवं भूख हड़ताल के चौथे दिन जिला कारागृह के एक प्रहरी एवं कुशलगढ़ जेल के पांच सिपाहियों को हालत बिगडने पर चिकिसात्लय में भर्ती करवाया गया। हालांकि बांसवाड़ा जेलर हेमंत साल्वी उदयपुर रेंज का प्रतिनिधित्व करने के लिये जयपुर गये हुए हैं।

श्रीगंगानगर संवाददाता के अनुसार :- कर्मियों की 13 जनवरी से चल रही भूख हड़ताल को चार दिन हो गए हैं। चौथे दिन जेलर और डिप्टी जेलर भी आंदोलन को समर्थन देते हुए भूख हड़ताल पर बैठ गए। जेलकर्मियों का कहना है कि भूखे पेट रहकर ड्यूटी करेंगे। सरकार को चाहिए कि वे कर्मचारियों की वेतन संबंधी कमियों को दूर करें ताकि जेल गार्ड्स अच्छे से जीवन यापन कर सकें। भूख हड़ताल से सोमवार को दो और जेल कर्मियों की तबीयत बिगड़ गई। गार्ड छोटूलाल मीणा और सुरेश कुमार की तबीयत बिगड़ने पर उन्हें अस्पताल में भर्ती करवा दिया गया।